केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 322 बुधवार 17 जून 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

गैलन में डीजल न मिलने से किसान परेशान

–भारतीय बस्ती संवाददाता––

बांसी (सिद्धार्थनगर)। धान की बुआई का समय चल रहा है। किसान अपने खेतों में धान का बीज डाल चुके हैं, लेकिन अब फसलों को बचाने के लिए सिंचाई हेतु डीजल की आवश्यकता है। ऐसे में किसानों का आरोप है कि भारत फिलिंग स्टेशन, बिशुनपुर (बांसी–इटवा मार्ग) पर गैलन में डीजल नहीं दिया जा रहा, जिससे किसानों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

किसानों का कहना है कि जब उनकी ओर से पंप मैनेजर अखिलेश यादव से बात की गई, तो उन्होंने कथित रूप से बताया कि प्रशासन के निर्देशों के कारण गैलन में डीजल देने पर रोक है। हालांकि किसानों का कहना है कि उन्हें इस संबंध में कोई लिखित आदेश नहीं दिखाया गया।

ग्रामीणों के अनुसार खेतों में डाला गया धान का बीज पानी के अभाव में सूखने लगा है। समय पर सिंचाई न होने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। किसानों का कहना है कि खेती के इस महत्वपूर्ण समय में डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

अब सवाल यह है कि यदि वास्तव में कोई प्रशासनिक आदेश है, तो उसकी स्पष्ट जानकारी किसानों को क्यों नहीं दी जा रही? और यदि ऐसा कोई आदेश नहीं है, तो किसानों को खेती के लिए आवश्यक डीजल से वंचित क्यों किया जा रहा है?

किसानों ने जिला प्रशासन से मामले की जांच कर स्थिति स्पष्ट करने तथा खेती–किसानी के लिए डीजल उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि उनकी फसलें बच सकें और उन्हें नुकसान न उठाना पड़े।

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्या सुन हुआ समाधान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

पौली (संतकबीरनगर)। पौली ब्लाक के ग्राम पंचायत कुडवा में सोमवार को जनकल्याण एवं जन–जागरूकता अभियान के तहत रात्रि कालीन ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया।

केंद्र सरकार के सफलता पूर्वक 12 बर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश में समेकित जनकल्याण एवं जन–जागरूकता अभियान के तहत सोमवार 15 जून को कुडवा पंचायत भवन के परिसर में सहायक बिकास अधिकारी जितेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में रात्रकालीन ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणो की समस्या सुनी और स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया चौपाल में लोगों को साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा गया खुले में शौच न जाए सामुदायिक शौचालय का प्रयोग करें घरों का कूड़ा कचरा सुरक्षित स्थान पर रखे। ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दिए। आवास, पेंशन , सम्मान नीधि, की समस्या सुन कर निस्तारण किया गया।

इस मौके पर दयाराम यादव , संतोष मिश्रा, राजकुमार अम्बरीष पटेल, हिफजुर्रहमान ,उदय सिंह, लेखपाल प्रबीन कुमार यादव,सालू गुप्ता,अरसलान , सुग्रीव पाल,सहित सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

थाने पहुंचा राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला
एसआईटी जांच में 47 कर्मचारी रडार पर

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में दान के रुपये और आभूषण देखने–गिनने वाले 47 स्टाफ जांच टीम की रडार पर आ गए हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के ऐसे कर्मचारियों की मौजूदा संपत्ति और नौकरी मिलने से पहले की संपत्ति को परखा जाएगा। इस बीच, कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर ने चढ़ावा चोरी पर गुस्सा जाहिर करते हुए कहा है कि अफसरों के बदले एक सनातन का जानकार व्यवस्था चला रहा होता तो दान चोरी नहीं होता, क्योंकि उसे पता होता कि मंदिर का धन चोरी करने

पर 60 हजार साल तक मल का कीड़ा बनकर पैदा होना होगा। ठाकुर ने मांग की है कि सरकार सनातन बोर्ड का गठन करे और मंदिरों के प्रबंधन को साधु–संतों के हवाले करे। ठाकुर सरकारी अफसरों के मंदिर प्रबंधन में होने पर गंभीर सवाल उठा रहे हैं।

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा में चोरी के मामले की एसआईटी जांच के बीच मामाला थाने भी पहुंच गया है। राम मंदिर आंदोलन से जुड़े रहे रामभक्त संतोष दुबे ने चढ़ाए गए दान और आभूषणों में बड़े पैमाने पर गबन का आरोप लगाते हुए कोतवाली नगर में प्रार्थना पत्र दिया है। उन्होंने ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर कई आरोप लगाए हैं और उनका पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की मांग कर दी है। प्रार्थना पत्र में कहा है कि इन दान सामग्रियों के संरक्षण और सुरक्षा की जिम्मेदारी ट्रस्ट के पदाधिकारियों की है, लेकिन कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर दान की रकम और आभूषणों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि दान–पात्रों से निकाली गई धनराशि और सोने–चांदी के आभूषणों के लेखे–जोखे में हेराफेरी कर करोड़ों रुपये की संपत्ति का गबन किया गया। प्रार्थना पत्र में कुछ ट्रस्ट पदाधिकारियों और कर्मचारियों के नामों का उल्लेख करते हुए उनके खिलाफ जांच और कार्रवाई की मांग की गई है।

संतोष दुबे ने पुलिस से मामले में प्राथमिकी दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने, आरोपितों का पॉलीग्राफ टेस्ट कराने और कथित गायब धनराशि, आभूषण और सिक्कों की बरामदगी सुनिश्चित करने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने कहा कि इस मामले से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी हुई है, इसलिए पूरे प्रकरण की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर 24 करोड़ की जमीन खरीदने का आरोप लगाया है। आप नेता ने ट्वीट में जमीन के पेपर का फोटो भी लगाया है और आरोप लगाया कि 3 करोड़ की नजूल की जमीन को 24 करोड़ में चंपत राय ने खरीदा है। उन्होंने कहा कि ईडी चंदा चोरों को गिरफ्तार नहीं कर रही है।

बाबरी मस्जिद और राम जन्मभूमि केस में बाबरी के पैरोकार रहे इकबाल अंसारी ने कहा है कि भगवान राम का पैसा कहीं नहीं जाएगा, भगवान खुद अपना पैसा ढूंढ़ लेंगे। अंसारी ने यूपी सरकार द्वारा आरोपों की जांच के लिए गठित एसआईटी पर भरोसा जताते हुए यह भी कहा है कि जांच पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके होनी चाहिए। इकबाल अंसारी ने कहा कि पैसा कितना है, यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है, महत्वपूर्ण भक्तों की आस्था है।

पति की धमकी से परेशान दहेज उत्पीड़न की शिकार पत्नी ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता––

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के माली टोला में अपने पिता के घर पर रह रही संतकबीरनगर जनपद के बखिरा थाना क्षेत्र के लड्डुआ महुआ झुगिया गांव में तौफीक अंसारी के साथ व्याही सायमा खातून ने पति के द्वारा मिल रही धमकियों से अपने और नात रिश्तेदारों के रक्षा की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र में सायमा खातून ने कहा है कि उसका अपने पति के साथ विवाद चल रहा है और मामला अदालत में लम्बित है। उसके पति जबरिया सुलह के लिये दबाव बना रहे हैं और धमकी दे रहे हैं कि सुलह नहीं करोगी तो तुम्हारी बहन सानिया खातून और उसके नाबालिग लड़के मो. अमान को घसीटते हुये बखिरा ले आयेंगे। तौफीक अंसारी ने उसके बहन को भद्दी–भद्दी गालियां और धमकियां भी दी।

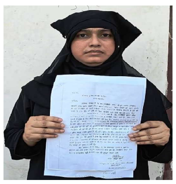

सायमा खातून ने कहा है कि ससुराल में उत्पीड़न के कारण वह अपने मायके मालीटोला में रह रही है। दहेज उत्पीड़न और खर्चा का मुकदमा चल रहा है। उसके पति द्वारा जबरिया सुलह का दबाव बनाने के साथ ही धमकियां दी जा रही है जिससे वह और उसका परिवार काफी डरा हुआ है। उसने एसपी को पत्र देकर दोषी के विरूद्ध कार्रवाई और अपने और नात रिश्तेदारों के रक्षा की गुहार लगाया है।

पार्क में योग दिवस प्रोटोकॉल योगाभ्यास योग साधकों में उत्साह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर इंडियन योग एसोसिएशन उ.प्र. चौप्टर एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश पूर्वी जोन के अध्यक्ष डॉ नवीन सिंह के नेतृत्व में बस्ती में 'योग पार्क' का कार्यक्रम उद्यान विभाग के पार्क में कराया जा रहा है।

यह जानकारी देते हुए जिला संयोजक योगाचार्य राम मोहन पाल एवं कन्वीनर सौरभ तुलस्यान ने बताया कि इंडियन योग एसोसिएशन एवं पतंजलि भारत स्वाभिमान के द्वारा योग पार्क में आए हुए योग साधकों को योग दिवस प्रोटोकॉल के साथ साथ रोगानुसार योग की गुणवत्ता को बताया डायबिटीज के लिए मंडूकासन , कमर दर्द के लिए भुजंगासन, मर्कटासन, सायटिका के लिए सलभासन , गैस कब्ज के लिए पवनमुक्तासन , थायराइड के लिए उज्जायी प्राणायाम अनुलोम विलोम,मानसिक रोगों के लिए भ्रामरी आदि योगाभ्यास भी कराया जा रहा है योग शिक्षकों ने कहा कि जिसका लाभ लोगों में दिखाई भी पड़ने लगा है और वे अच्छा महसूस कर रहे हैं। पार्क में आए योग साधकों का कहना है कि यह योग शिविर अनवरत चलता रहे ताकि हम सभी लोग को लाभ मिल सके। शिविर में मुख्य रूप से सुनील सिंह,सुभाष चौधरी , डॉ सच्चिदानंद शुक्ला, मंजेश चौधरी,अजय श्रीवास्तव,शिवेंद्र , सन्तोष भारद्वाज , बैजनाथ , राधेश्याम , अशोक यादव , सूर्य प्रताप , संदीप गोयल, भूपेंद्र चौधरी आदि उपस्थित रहे ।

गरीब व असहायों को सीधा लाभ पहुंचा रही है भाजपा–देवा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ब्लाक सभागार में तीन दिवसीय जनकल्याणकारी शिविर एवं स्वास्थ्य मेले के समापन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिलाउपाध्यक्ष व पूर्व ब्लाक प्रमुख ब्रह्मदेव यादव देवा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

लाभार्थियों को संबोधित करते हुए ब्रह्मदेव यादव देवा ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब व असहाय लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है। यह सब प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ही संभव है। इस शिविर से लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों द्वारा लगे स्टालों का सेवा मुहैया हो रहा हैं। मोदी जी के नेतृत्व में ही महिलाएं सशक्त व समृद्ध हुई है। वर्तमान परिवेश में हमारी बहने लखपति दीदी बनकर परिवार का भरण पोषण कर रही है। स्टाइल में समूह की महिलाओं द्वारा पोषक आहार के बारे में बताया गया और उससे निर्मित खाद्य पदार्थों को मुख्य अतिथि ने ग्रहण किया। उन्होने विभिन्न विभागों द्वारा लगे स्टालों का अवलोकन किया।

कार्यक्रम में एडीओं पंचायत नंदलाल राम, प्रधान रामचंद्र यादव, सदरूद्दीन अंसारी, इंद्र कुमार चौधरी, ओमकार चौधरी, अजय पाल, पवन सिंह, अजय श्रीवास्तव, राहुल कुमार, रेखा मिश्रा, रीता, संध्या, शीतल, स्मिता, मनोज चौधरी, बालेंद्र, शिवकुमार, हनुमान प्रसाद सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

नगर पंचायत भानपुर का औचक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता––

बस्ती । प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व कीर्ति प्रकाश भारती द्वारा कार्यालय नगर पंचायत भानपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ एसडीएम/ परियोजना अधिकारी डूडा राजेश यादव उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान उन्होने कार्यालय में कर्मियों से उनके दायित्वों के विषय में जानकारी लिया तथा कार्यालय के सभी पटलों का निरीक्षण किया। उन्होने आईजीआरएस तथा जन शिकायत संबंधी पंजिकाओं का अवलोकन किया तथा पीएम स्व निधि एवं पीएम आवास योजना के

क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। प्रांगण के बाहर बैडवा समय माता मंदिर मार्ग पर विशेष रूप से साफ–सफाई रखने हेतु निर्देशित किया गया एवं आगामी वृक्षारोपण कार्यक्रम तथा वर्षा ऋतु के दृष्टिगत जल निकासी की व्यवस्था को सुचारू रखने तथा नाला सफाई हेतु सख्त निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान कार्यालय कर्मी अविनाश कुमार, वीरेंद्र, नीतीश श्रीवास्तव, रवि सिंह, मुकेश, अनिल, दीपक उपस्थित रहें।

प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय द्वारा जिला नगरीय विकास अभिकरण डूडा द्वारा करायें जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यो अटल नगर सिसवा बुजुर्ग इंद्रसेन मिश्रा के घर से प्राथमिक विद्यालय तक सीसी रोड का कार्य, वशिष्ठ नगर उकड़ा यादव डीह सीसी रोड का निरीक्षण किया और कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखे जाने हेतु निर्देश दिये।

अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व द्वारा तहसील भानपुर का भी निरीक्षण किया गया है तथा उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवष्यक दिषा निर्देष दिया गया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी भानपुर श्री सत्येन्द्र सिंह व तहसीलदार श्री पंकज गुप्ता उपस्थित रहें।

युवाओं के सपनों पर प्रहार कर रही है सरकार-राहुल

कोटा (आभा)। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान के कोटा में बुधवार को आयोजित छात्र सम्मेलन से पहले जेन–ं का खासतौर पर आह्वान किया है और कहा है कि केंद्र की मौजूदा मोदी सरकार लाखों युवाओं के सपने पर प्रहार कर रही है। गांधी ने कहा कि हर पेपर लीक, परीक्षाओं का रद्द होना और अधूरी भर्ती सिर्फ व्यवस्था की विफलता नहीं है, बल्कि यह लाखों सपनों पर प्रहार है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, "मेरे युवा और साथियों, मेरे मन में एक बात बिल्कुल साफ है और आपको भी इसे अपने दिल में बिठा लेना चाहिएरू भारत के हर युवा का भविष्य सुरक्षित करना सरकार की जिम्मेदारी है।"

उन्होंने आगे लिखा, "लेकिन जिम्मेदारी और ईमानदारी,ये दोनों ही बातें मोदी सरकार की सोच से परे हैं। पेपर लीक, परीक्षा का कुप्रबंधन, रद्द हुई भर्तियां, आसमान छूती फीस, निजीकरण, घोटालेकृये वही तरीके हैं जिनसे वह हर दिन लाखों युवाओं के सपने तोड़ रही है। याद रखिए, युवाओं का भविष्य ही देश का भविष्य तय करेगा। मैं आप सभी को यही बात विस्तार से बताना चाहता था। इसीलिए मैं आपसे आह्वान कर रहा हूं, आइए, देश की हर गली, हर कस्बे और हर शहर से उठ रही श्छात्रों की आवाजश को कोटा में एक जोरदार संघर्ष–घोष में बदल दें।"

कांग्रेस नेता राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा–स्नातक परीक्षा के पेपर लीक, भारतीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ऑन–स्क्रीन मार्किंगप्रणाली और बेरोजगारी के विषयों को लेकर छात्र सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसकी शुरुआत 17 जून को कोटा में होगी।

विद्यालय समय परिवर्तन, जनगणना मानदेय भुगतान की मांग को लेकर शिक्षकों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता––

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह और जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में मंगलवार को जिलाधिकारी को दो सूत्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से भीषण गर्मी एवं उमस को देखते हुए परिषदीय विद्यालयों के समय में परिवर्तन तथा जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के प्रशिक्षण भत्ता एवं पारिश्रमिक के शीघ्र भुगतान की मांग की गई।

–प्रात: 7.30 से 12 बजे तक खुले स्कूल

ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान समय में अत्यधिक गर्मी, उमस और लू के कारण छोटे बच्चों को सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक विद्यालय में अध्ययन करना कठिन हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की समस्या तथा खुले वातावरण में स्थित विद्यालयों के कारण बच्चों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने विद्यालयों का समय प्रातः 7.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किए जाने की मांग की है। शिक्षकों ने कहा कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए विद्यालय समय में परिवर्तन बच्चों के हित में अत्यंत जरूरी है। शिक्षकों ने कहा कि जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों, शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों ने निर्धारित समय से पूर्व ही कार्य पूर्ण कर लिया है, लेकिन अब तक प्रशिक्षण भत्ता एवं जनगणना पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया गया है। शिक्षकों ने संबंधित कर्मियों के खातों में शीघ्र धनराशि भेजे जाने की मांग उठाई। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशक अपने निजी संसाधनों और खर्च से जनगणना कार्य पूरा कर चुके हैं। ऐसे में प्रशिक्षण भत्ता और पारिश्रमिक का शीघ्र भुगतान किया जाना आवश्यक है।

ज्ञापन सौंपने वालो में जिला उपाध्यक्ष प्रवीण श्रीवास्तव, रवीश मिश्र, सनद पटेल,रमा शंकर लाल,संजय यादव, ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र यादव, विवेक प्रताप सिंह, सुनील कुमार,रामपियारे कन्नौजिया, चंद्रमोहन यादव, शिक्षामित्र संघ अध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ल,अनुदेशक संघ अध्यक्ष अमित सिंह, अनुराग श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

टावर लगा तो पट्टीदार कर रहे हैं फर्जी शिकायत पीड़ित ने डीएम से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रूधौली थाना क्षेत्र के डुमरी निवासी चन्द प्रताप सिंह पुत्र स्वर्गीय केशरी सिंह ने जिलाधिकारी को पत्र देकर कहा है कि उनके गाटा संख्या 493 डीही आबादी में टावर लगा है किन्तु गांव के ही पट्टीदार प्रेमनरायन सिंह और उनके पुत्र मनोज सिंह फर्जी शिकायत करके टावर को हटवाने का षड़यंत्र कर रहे हैं।

चन्द प्रताप सिंह के पुत्र शिव सिंह ने मंगलवार को डीएम को पत्र सौंपा और मांग किया कि उनके पिता की जमीन से टावर न हटवाया जाय और षड़यंत्र करने वाले विरोधियों के प्रति कार्रवाई की जाय। शिव सिंह ने बताया कि जीओ का टावर लग जाने से उनके परिवार को आर्थिक सहयोग मिल जा रहा है जिससे पट्टीदार प्रेमनरायन सिंह और उनके पुत्र मनोज सिंह आये दिन विवाद किया करते हैं और जियो टावर कम्पनी को भ्रामक सूचनायें देकर गुमराह करने की कोशिश करते हैं जिससे परिवार को आर्थिक नुकसान पहुंचे। लेखपाल ने भी स्पष्ट किया है कि मोबाइल टावर गाटा संख्या 493 में स्थित है।

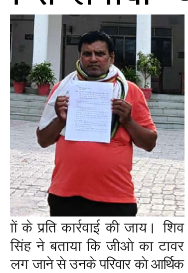

चन्द प्रताप सिंह और उनके पुत्र शिव सिंह ने डीएम से मांग किया है कि आये दिन भ्रामक सूचनायें देकर विवाद की स्थिति खड़ा करने वाले गांव के ही पट्टीदार प्रेमनरायन सिंह और उनके पुत्र मनोज सिंह के विरूद्ध समुचित कार्रवाई सुनिश्चित कराया जाय।

मुख्यमंत्री तक पहुंचायेंगे जनहित के मुद्दे ठाकुर प्रेम नन्दवंशी ने डीएम को सौंपा पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता––

बस्ती। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मण्डल महासचिव पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने जिलाधिकारी को पत्र देकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बस्ती भ्रमण के दौरान उनसे मुलाकात कराने, समस्याओ के निस्तारण और निमंत्रण पत्र देने का आग्रह किया है।

डीएम को पत्र देने के बाद ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने बताया कि अनेकों बार धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन आदि देने के बावजूद जनहित से जुड़ी कुछ समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री से मिलकर वे समाधान का आग्रह करना चाहते हैं।

पत्र में भारत सिंह कृषक इंटर कॉलेज, तेनुआ, हरैया में अनुचर पद पर कार्यरत मनोज कुमार वर्मा का दो वर्षों से अधिक अवधि का वेतन भुगतान कराये जाने, उनकी माता की ग्रेच्युटी भी लगभग 10 वर्षों से लंबित है, इसका निस्तारण कराने, विकास खंड हरैया में मनरेगा योजना के अंतर्गत करोड़ों रुपये के वित्तीय अनियमितता एवं घोटाले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने, विकास खंड हरैया में कथित रूप से फर्जी तरीके से शिक्षक नियुक्तियां किए जाने तथा मिड–डे मील योजना में हुए भ्रष्टाचार एवं वित्तीय अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करने, विकास खंड हरैया की ग्राम पंचायत महादेवा की पंचायत मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताओं एवं त्रुटियों की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। मतदाता सूची में अपात्र व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किए जाने तथा पात्र मतदाताओं के नाम विलोपित किए जाने जैसी अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराए जाने तथा दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक एवं विभागीय कार्यवाही किए जाने की मांग किया गया है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 जून 2026 बुधवार

सम्पादकीय

मंहगी होती चिकित्सा और दवायें

ऐसे वक्त में जब महंगाई के कारण जीवनयापन कठिन हो रहा है, नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी यानी एन.पी.पी.ए. द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों में वृद्धि की इजाजत देना कमजोर वर्गों के लिए 'कंगाली में आटा गीला होना' जैसा है। एन.पी.पी.ए. द्वारा जिन दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की इजाजत दी गई है, उनमें कुछ कैंसर की दवाएं, एंटी–टेटनस सीरम और बच्चों के टीकों की कीमतों में पचास प्रतिशत की वृद्धि शामिल है। निश्चय ही यह फैसला पब्लिक हेल्थ पॉलिसी से जुड़ी विसंगतियों को दर्शाता है। निस्संदेह, भारत जैसे देश में जरूरी दवाओं को सस्ता रखना बेहद जरूरी है, जहां बहुत से परिवार इलाज का खर्च अपनी जेब से उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर, यह भी जरूरी है कि जीवनरक्षक दवाओं की बाजार में सहज उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बहुत संभव है कि अमेरिका–ईरान युद्ध संकट से बाधित आपूर्ति शृंखला के चलते कुछ दवाइयों व टीकों की कीमतों में बढ़ोतरी को तार्किक बताया जाए, लेकिन चिकित्सा व्यवस्था में अमीर–गरीब की आर्थिक क्षमता को लेकर उठने वाले सवाल न्यायसंगत ही कहे जाएंगे। दरअसल, एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कमी और बढ़ती लागत को कीमत वृद्धि का कारण बताया है। दलील दी गई कि यदि दवा बनाने वाली कंपनियां इनकी उत्पादन लागत नहीं निकाल पाती हैं तो वे खुले बाजार में इन दवाइयों की आपूर्ति बंद कर सकती हैं। लेकिन इसके बावजूद गरीब तबके की सीमाओं और आर्थिक स्थिति का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

बहरहाल, इस बाबत दी गई दलीलों के बावजूद एक सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकता कि इस देश में करोड़ों लोग बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च उठाने के लिए संघर्ष करते हैं। निर्विवाद रूप से कैंसर के इलाज और बच्चों को बीमारियों से बचाने वाली दवाइयों की कीमतों में पचास फीसदी बढ़ोतरी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को गहरे आर्थिक संकट में डाल सकती हैं। मरीजों के लिए इलाज के खर्च में दवाओं के अलावा, रोग की जांच, दूर–दराज के क्षेत्रों से बड़े अस्पतालों तक की यात्रा, अस्पताल में भर्ती होने का खर्च तथा इस दौरान होने वाली आय की हानि भी शामिल होती है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में वृद्धि का अतिरिक्त बोझ उन्हें इलाज और जीवित रहने के बीच कई मुश्किल फैसले लेने को मजबूर कर सकता है। इसका समाधान किफायती होने और उपलब्धता के बीच चयन करने में नहीं है, बल्कि एक ऐसा तंत्र विकसित करने में है, जो दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। सरकार को सरकारी अस्पतालों के लिए दवा खरीद व्यवस्था को पारदर्शी व मजबूत बनाने की जरूरत है। उसे सरकारी अस्पतालों के जरिये बिना किसी बाधा के दवाइयों की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही, स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में जरूरी दवाइयों को भी शामिल करना चाहिए, जिससे खास सब्सिडी के जरिये गरीब मरीजों को अचानक कीमतों में बढ़ोतरी से बचाया जा सके। इसके अलावा, दवाइयों की कीमतों से जुड़ी नीतियों की समय–समय पर समीक्षा भी होनी चाहिए, जिससे पता चल सके कि वास्तव में दवाइयों की लागत में कितनी वृद्धि हुई है।

अमेरिका– ईरान के बीच संघर्ष विराम

अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष को समाप्त करने तथा होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने पर बनी सहमति भारत समेत दुनिया के कई देशों के लिए संकट से राहत मिलने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। द्विपक्षीय शांति समझौते पर उन्नीस जून को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर किए जाने का प्रस्ताव है। इसके लागू होने से निश्चित तौर पर वैश्विक आपूर्ति शृंखला फिर से बहाल हो पाएगी, जिससे खासकर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दबाव कम होगा और ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता के साथ–साथ इसकी कीमतों में भी गिरावट आएगी। मगर अमेरिका और ईरान के बीच इस सहमति को अभी उम्मीद के तौर पर ही देखा जा रहा है, क्योंकि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से दोनों पक्षों के रुख में जिस तरह की अनिश्चतता देखी गई है, उस लिहाज से इस समझौते के सिरे चढ़ने को लेकर अभी पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल है। संशय इसलिए भी बना हुआ है, क्योंकि अंतिम समझौते के नियम और शर्तें अभी औपचारिक रूप से सार्वजनिक नहीं की गई हैं और दोनों पक्षों में से कौन इसमें अड़ंगा लगा दे, इसे बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। गौरतलब है कि अमेरिका और इजरायल ने इस वर्ष 28 फरवरी को ईरान पर संयुक्त रूप से हमला किया था, जिसके बाद ईरान ने भी पलटवार शुरू कर दिया। अप्रैल में अमेरिका की ओर से दो सप्तह के युद्धविराम की घोषणा की गई, जिसे बाद में अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया।

हालांकि, इस बीच दोनों ओर से छिटपुट हमले होते रहे, लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान होर्मुज जलमार्ग को बाधित करने से हुआ, जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा का संकट खड़ा हो गया। वैश्विक तेल आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से का परिवहन इसी मार्ग से होता है।

सऊदी अरब, इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे तेल उत्पादक खाड़ी देशों के लिए यही मुख्य निर्यात मार्ग है, जो भारत के प्रमुख ऊर्जा आपूर्तिकर्ता भी हैं। अगर यह मार्ग फिर से बहाल हो जाता है, तो भारत जैसे दुनिया के कच्चे तेल आयातक देशों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम होंगी, माल ढुलाई लागत घटेगी और महंगाई पर दबाव भी कम होगा। पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने पर बनी सहमति की खबरें आने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल कीमतों में गिरावट का दौर शुरू हो गया। भारत में इसका असर शेयर बाजार में उछाल और डालर के मुकाबले रुपए की मजबूती के रूप में सामने आया।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह समझौता सफलतापूर्वक लागू होता है, तो भारत की अर्थव्यवस्था को कई मोर्चों पर राहत मिलने की उम्मीद है। इससे पश्चिम एशिया को होने वाले भारत के निर्यात में तेजी आएगी, विनिर्माण गतिविधियों को गति मिलेगी और रुपये की स्थिरता को भी बल मिलेगा।

ईरान की ओर से होर्मुज जलमार्ग को अवरुद्ध करने के बाद इसके आसपास अमेरिका की नाकेबंदी से स्थिति और जटिल हो गई है। मगर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय सहमति के एलान के साथ यह स्पष्ट कर दिया है कि इस जलमार्ग के फिर से खुलते ही नाकेबंदी को भी हटा लिया जाएगा।

ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि अमेरिका और ईरान इस सहमति पर कायम रहेंगे और शांति समझौते को अंतिम मंजूरी देने की दिशा में सकारात्मक रूप से कदम आगे बढ़ाएंगे, ताकि पश्चिम एशिया में फिर से शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि का रास्ता खुल सके।

एसआईआर की तार्किकता और विरोध का प्रश्न

प्रमोद जोशी

हालांकि, एसआईआर नागरिकता की परीक्षा नहीं है, लेकिन इसके मार्फत 'नागरिकता की सीमित जांच' का आधार बना सकता है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू होने के बाद से एक वर्ग के मन में संशय हैं। खबरें हैं कि बिहार और बंगाल की नई सरकारों ने घोषणा की है कि मतदाता सूची से जिनके नाम कट गए हैं, उन्हें सरकारी लाभ नहीं मिलेंगे।

हाल ही में 'इंडिया' गठबंधन ने पांच–सूत्री प्रस्ताव पारित किया, जिसमें एक यह भी है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा जाएगा। यह गठबंधन 'एसआईआर' को 'वोट चोरी' मानता है। इसके कुछ दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने 'एसआईआर' को लेकर चुनाव–आयोग को क्लीन–चिट दी है। प्रश्न है कि ऐसे में पत्र लिखने से मिलेगा क्या? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का कहना है, हम इसे 'वोट लूट' की कोशिश मानते हैं। भारत में घुसपैठ और नागरिकता रजिस्टर पिछले कई दशकों से बहस में हैं। यह बहस अब मतदाता सूची की बहस के साथ जुड़ गई है। 'एसआईआर' के देश में दो दौर हो चुके हैं और तीसरा शुरू हो गया है। पहला दौर मुख्यतः बिहार–केंद्रित था, जो जून से सितंबर, 2025 तक चला। 27 अक्तूबर से दूसरा दौर शुरू हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत, नौ राज्य और तीन केंद्र–शासित क्षेत्र शामिल थे।

गत 14 मई को निर्वाचन आयोग ने 'एसआईआर' के तीसरे दौर की भी घोषणा कर दी, जिसमें सोलह राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों को कवर किया गया है। इसके पूरा होने के बाद जम्मू–कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश को छोड़कर पूरे देश में यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इसके साथ इस प्रक्रिया को बहस नए सिरे से शुरू होगी, जिसकी अनुगूंज संसद के मॉनसून सत्र में सुनाई पड़ेगी।

शिकायतें पहले दौर के पहले से ही शुरू हो गई थीं, पर पश्चिम बंगाल का विवाद सुप्रीम कोर्ट तक गया। इस दौर में करीब 27 लाख वोटरों ने अपने नाम कटने को चुनौती दी। वे विधानसभा चुनाव में वोट नहीं दे पाए, क्योंकि उनकी सुनवाई के लिए नियुक्त न्यायाधिकरण इस काम को पूरा नहीं कर पाए। यह काम चुनाव परिणाम आने के बाद भी चल रहा है। इन 27 लाख में 60 प्रतिशत से ज्यादा वोटरों की सूची में वापसी हो चुकी है और अंतिम समाचार मिलने तक न्यायाधिकरणों की प्रक्रिया जारी है। सवाल है कि उनकी सुनवाई के लिए नागरिक–प्रशासन पर राज्य सरकार ने भरोसा क्यों नहीं किया? चुनाव–आयोग की व्यवस्था है कि 'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' के कारण कोई नाम 'अनमैप्ड' रह जाए, तो एक सूची में वर्णित दस्तावेजों में से कोई एक देकर अपने नाम को बनाए रखा जा सकता है। पर बंगाल में अविश्वास इतना गहरा था कि उस रास्ते पर जाने के बजाय लंबे रास्ते को अपनाया गया, जिसकी वजह से बड़ी संख्या में लोग वोट नहीं दे पाए।

कई तरह के सवाल सभी पक्षों से हैं। आयोग ने सूची के गहन–संशोधन के लिए पर्याप्त समय क्यों नहीं दिया? 2002 और 2003 की मतदाता सूचियों तक पहुंच पाना आसान काम नहीं है। पुरानी सूचियां जिस तरीके से बनाई गईं हैं, उनमें नाम, पते और वोटर कार्ड की संख्या खोजना खासा मुश्किल काम है। सामान्य नागरिक कागज–पत्रों के आदी नहीं हैं, उनके लिए यह प्रक्रिया आसान नहीं है।

देश की आम जनता दस्तावेजों की अभ्यस्त नहीं है। 'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' को दूर करने के लिए दस्तावेजों को भी आसान बनाने की जरूरत है। वोटर को पुरानी सूची में अपना नाम खोजने में दिक्कत होती है। उसकी मदद की जानी चाहिए। आयोग की वेबसाइट को सरल बनाने और इस काम को करने वाले बीएलओ को बेहतर तरीके से तैयार करने की जरूरत भी है।

विरोधी–दलों ने इसे 'वोट चोरी' साबित करते हुए, राजनीतिक सवाल बनाया। चुनाव–आयोग, उसकी प्रक्रिया और ईवीएम की साख पर लगातार हमले हो रहे हैं। इस बात को उन्हें सुप्रीम कोर्ट में साबित करना होगा। जब उन्हें विजय मिलती है, तब वे सवाल करते, क्यों नहीं करते? दिसंबर में लोकसभा में चुनाव–सुधारों पर हो रही बहस के दौरान एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, 'मैं इसी मशीन से चुनकर आई हूं, इसलिए मैं ईवीएम या वीवीपैट पर सवाल नहीं उठाऊंगी।'

सवाल हैं भी, तो उन्हें या तो आयोग और या फिर सुप्रीम कोर्ट में उठाना चाहिए। पर अब तो अदालती फैसलों पर भी संदेह पैदा किया जाता है। कहा जा रहा है कि आयोग को 'एसआईआर' कराने का अधिकार है ही नहीं। फिर मतदाता सूची में संशोधन या सुधार कैसे होगा? सोशल मीडिया के शोर ने स्थितियों को और बिगाड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने अब 27 मई को याचिकाकर्ताओं के ज्यादातर तर्कों को मानने से इनकार कर दिया। वहीं चुनाव–आयोग के तर्कों को स्वीकार किया और उन्हें और स्पष्ट किया। हालांकि यह मामला बिहार में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के नियम को लागू करने से संबंधित था, लेकिन अदालत में विचारार्थ रखे गए मुद्दे और उसके निष्कर्ष देश भर की मतदाता सूचियों में नाम दर्ज कराने के अधिकार पर दूरगामी प्रभाव डालेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया है कि आयोग का संवैधानिक दायित्व है कि वह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करे। यह बात भी निर्विवाद है कि जिस मतदाता सूची पर चुनाव आधारित हैं, वह सटीक और विश्वसनीय होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल ने, इन सिद्धांतों या मान्यताओं पर सवाल नहीं उठाया है। इस बात को भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि आयोग की भारत के लोकतांत्रिक विकास में अग्रणी भूमिका है। और यह भी कि बड़े पैमाने पर प्रवासन, तीव्र शहरीकरण, अवैध सीमा पार आवागमन, मृत्यु की सूचना न देने और प्रविष्टियों की पुनरावृत्ति को देखते हुए मतदाता सूची की समय–समय पर समीक्षा आवश्यक है। लेकिन समस्या यहीं से शुरू होती है।

कमजोर मतदाताओं पर सबूत का बोझ डालना, एक बोझिल दस्तावेज–प्रणाली, समय–सीमा का कम होना और अपील प्रक्रिया के लिए समय–सीमा निर्धारित न करना सबसे ज्यादा चिंता के विषय हैं। अदालत के फैसले के बाद आयोग को असीमित प्रक्रियात्मक छूट मिल गई है। खासतौर से नागरिकता के मुद्दे पर भी, आयोग को मिली छूट को लेकर कुछ विशेषज्ञों ने चिंता व्यक्त की है।

मतदाता सूची के पहले से देश में नागरिकता को लेकर बहस चल रही है। हालांकि, एसआईआर नागरिकता की परीक्षा नहीं है, लेकिन इसके मार्फत 'नागरिकता की सीमित जांच' का आधार बना सकता है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू होने के बाद से एक वर्ग के मन में संशय हैं। खबरें हैं कि बिहार और बंगाल की नई सरकारों ने घोषणा की है कि मतदाता सूची से जिनके नाम कट गए हैं, उन्हें सरकारी लाभ नहीं मिलेंगे।

अब मई के अंत में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों (डेमोग्राफिक चेंज) का वैज्ञानिक अध्ययन करने के लिए एक उच्च–स्तरीय समिति का गठन किया है। इसके अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर हैं। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2025 को लाल किले के प्राचीर से 'घुसपैठियों' का उल्लेख करते हुए ऐसी समिति की आवश्यकता की घोषणा की थी।

ऐसे समय में जब 'घुसपैठिया' शब्द को लेकर भय का माहौल है, तब आम नागरिक के मन में चिंता के कारण बनते हैं। करीब–करीब ऐसा ही भय देशभर में काम कर रहे प्रवासी कामगारों के मन में है। बहुत से नहीं जानते कि उनके गृह–राज्य की सूची में उनका नाम है या नहीं। हाल में बंगाल में हुए चुनाव के समय प्रवासियों के बीच मची भगदड़ के पीछे एक भय यह भी था कि वोट नहीं डालेंगे, तो सुविधाएं कट जाएंगी।

–लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

गुमनाम पार्टी में क्यों शामिल हुए टीएमसी के नामी सांसद?

–नीरज कुमार दुबे–

तृणमूल के वरिष्ठ सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने साफ कहा है कि अभी उन्होंने एनसीपीआई में विलय किया है, लेकिन संसद का अगला सत्र शुरू होने पर वह तृणमूल नाम और पहचान पर दावा करेंगे। उनका कहना है कि दो तिहाई सांसद उनके साथ हैं, इसलिए वास्तविक राजनीतिक अधिकार भी उसी गुट के पास होना चाहिए। दूसरी ओर, टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया।

तृणमूल कांग्रेस में उठी बगावत ने राष्ट्रीय राजनीति को ऐसा मोड़ दे दिया है जिसकी गूंज आने वाले महीनों तक सुनाई दे सकती है। हम आपको बता दें कि लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने अचानक एक लगभग गुमनाम दल नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया यानी एनसीपीआई में विलय का ऐलान कर दिया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से अलग समूह के तौर पर मान्यता तथा सदन में अलग बैठने की मांग कर डाली। इस घटनाक्रम ने केवल बंगाल की राजनीति को नहीं हिलाया, बल्कि दलबदल कानून, विपक्ष की एकजुटता और संसद की शक्ति संतुलन की बहस को भी फिर से केंद्र में ला खड़ा किया है।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि जिस एनसीपीआई में यह विलय हुआ है, उसका अब तक का राजनीतिक अस्तित्व लगभग नगण्य रहा है। 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में इस दल ने चार उम्मीदवार उतारने की घोषणा की थी, लेकिन आखिरकार तीन सीटों पर ही चुनाव लड़ पाया। पार्टी के उम्मीदवारों का प्रदर्शन इतना कमजोर रहा कि वे कई जगह नोटा से थोड़ा ही आगे निकल सके। त्रिपुरा की चावमानु सीट पर पार्टी उम्मीदवार बरजेदा त्रिपुरा को केवल 536 वोट मिले, जबकि नोटा को 500 वोट प्राप्त हुए। कैलाशहर सीट पर पार्टी को मात्र 286 वोट मिले। कुल मिलाकर दो सीटों पर एनसीपीआई को सिर्फ 822 वोट हासिल हुए थे।

खास बात यह भी है कि इस पार्टी का चुनाव चिह्न 'पेन की निब' है और इसने नारा दिया था, "अपने अधिकारों की रक्षा के लिए दलबदलुओं को नकारें।" लेकिन राजनीति की विडंबना देखिए कि अब वही दल देश के सबसे चर्चित दलबदल का मंच बन गया है। वैसे इस पूरे घटनाक्रम के पीछे केवल नाराजगी नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक रणनीति दिखाई दे रही है। बागी सांसदों का मकसद सीधे भाजपा में जाना नहीं, बल्कि पहले एक अलग राजनीतिक पहचान बनाकर दलबदल कानून से बचना माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत यदि किसी दल के दो तिहाई विधायक या सांसद किसी दूसरे दल में विलय करते हैं, तो उन्हें अयोग्यता से राहत मिल सकती है। इसी कानूनी रास्ते का इस्तेमाल करते हुए बागी गुट खुद को "असली तृणमूल" साबित करने की जमीन तैयार कर रहा है।

तृणमूल के वरिष्ठ सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने साफ कहा है कि अभी उन्होंने एनसीपीआई में विलय किया है, लेकिन संसद का अगला सत्र शुरू होने पर वह तृणमूल नाम और पहचान पर दावा करेंगे। उनका कहना है कि दो तिहाई सांसद उनके साथ हैं, इसलिए वास्तविक राजनीतिक अधिकार भी उसी गुट के पास होना चाहिए। दूसरी ओर, टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के महाराष्ट्र राजनीतिक संकट वाले फैसले का हवाला देते हुए कहा कि केवल विधायी दल का टूटना पर्याप्त नहीं होता, मूल राजनीतिक दल का विलय भी जरूरी है। देखा जाये तो यही वह बिंदु है जहां यह लड़ाई केवल संख्या की नहीं, बल्कि कानूनी और संवैधानिक व्याख्या की बन जाती है। तृणमूल कांग्रेस का तर्क है कि पार्टी सर्वोपरि है, सांसद नहीं। जबकि बागी गुट संख्या बल के आधार पर वैधता चाहता है। इस टकराव का अंतिम फैसला अब अदालत और लोकसभा अध्यक्ष की व्याख्या पर निर्भर करेगा।

हम आपको यह भी बता दें कि इस घटनाक्रम की तुलना 2016 के अरुणाचल प्रदेश संकट से भी की जा रही है। तब कांग्रेस के अधिकांश विधायक पहले पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल में गए और बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। उसी रास्ते ने भाजपा को पूर्वोत्तर में पहली पूर्ण सरकार दी थी। अब तृणमूल के भीतर भी वैसी ही पटकथा दिखाई दे रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार दांव बंगाल की सबसे बड़ी विपक्षी शक्ति पर लगा है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह ममता बनर्जी के नेतृत्व के लिए सबसे बड़ा झटका माना जाएगा। बंगाल में भाजपा लगातार तृणमूल कांग्रेस को घेरने की कोशिश कर रही है और अब यदि लोकसभा में पार्टी का बड़ा हिस्सा अलग खड़ा हो जाता है, तो विपक्षी राजनीति में ममता की राष्ट्रीय भूमिका कमजोर पड़ सकती है। खासकर ऐसे समय में जब विपक्षी एकता की राजनीति पहले ही बिखराव का शिकार है।

दूसरी ओर, भाजपा के लिए यह घटनाक्रम अप्रत्यक्ष राजनीतिक लाभ लेकर आ सकता है। बागी सांसदों ने पहले ही राजग को समर्थन देने के संकेत दिए हैं। यदि यह समीकरण आगे बढ़ता है, तो संसद में सत्ता पक्ष की स्थिति और मजबूत हो सकती है।

सबसे तीखी चोट हालांकि राजनीति की नैतिकता पर पड़ती दिखाई देती है। जिस दल ने दलबदलुओं को नकारने का नारा दिया था, वही अब दलबदल की सबसे बड़ी प्रयोगशाला बन गया है। यह भारतीय राजनीति का वह चेहरा है, जहां विचारधारा से ज्यादा महत्व संख्या, सत्ता और कानूनी चालों का रह गया है। छोटे दल अब केवल चुनाव लड़ने के मंच नहीं, बल्कि राजनीतिक पुनर्जन्म के औजार बनते जा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस की यह टूटन आने वाले दिनों में केवल बंगाल की राजनीति नहीं बदलेगी, बल्कि यह तय करेगी कि देश में दलबदल कानून की असली ताकत कितनी बची है। संसद, अदालत और चुनाव आयोग, तीनों की अग्निपरीक्षा अब शुरू हो चुकी है। उधर, एनसीपीआई पार्टी के कार्यालय के बाहर इन दिनों कौतूहल के साथ लोग इकट्ठा हो रहे हैं। आसपास के लोगों का तो यहां तक कहना है कि हमें तो पता ही नहीं था कि यहां से कोई पार्टी चल रही है।–(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जनऔषधि परियोजना पर गिद्ध दृष्टि

–डॉ० मत्स्येन्द्र प्रभाकर–

"प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना" बहुत लाभदायक एवं राहतभरी सिद्ध हुई है। इसने देश के आम लोगों के अनुमानतः 50 हजार करोड़ रुपये तो बचाये ही, साथ–साथ अर्थव्यवस्था को सम्बल दिया है। अब यह योजना पश्चिम बंगाल में भी शुरू हुई है। वहाँ पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार ने पिछले डेढ़ दशक से राज्य की जनता को इसके फायदे से वंचित कर रखा था। लेकिन इस बीच खबर है कि दवा निर्माता बड़ी–बड़ी कम्पनियों ने इस योजना को अपने 'कुचक्र' के निशाने पर लिया है। कारण कि उन्हें अन्य अपने कई लाख करोड़ रुपये के कारोबार पर खतरा नजर आ रहा है।

पता चला है कि ऐसा करने वाली ज्यादातर कम्पनियाँ हैं तो विदेशी, मगर इन्होंने भारत की छोटी–छोटी दवा बनाने वाली कम्पनियों को जरिया बना लिया है। ये उनसे कथित जेनेरिक दवाओं का उत्पादन और बिक्री करवाकर अपना लक्ष्य साध रही हैं। केन्द्र सरकार ने 'जनरक्षक औषधि योजना' डेढ़ दशक से अधिक पहले शुरू की थी किन्तु बहुत सी अन्य योजनाओं की तरह यह भी कागजों और फाइलों में ही बनी रही। 11 वर्ष पूर्व पुनर्गठित किये जाने के बाद अब जाकर यह क्रान्तिकारी परियोजना बनकर उभरी है। इसने आम भारतीयों के हजारों करोड़ रुपये बचाये हैं। इसकी लोकप्रियता से देशभर में जन औषधि केन्द्रों की संख्या बढ़ती जा रही है। इससे अन्य दवाएँ बनाने वाली कम्पनियों में हाहाकार सा है। वे सरकार की अत्यन्त लोकप्रिय योजना को अपने लिए घातक मानती हैं। इस वजह से उन्होंने अपने बचाव के लिए जनऔषधि केन्द्रों को निशाने पर ले लिया है।

आजकल जनरक्षक औषधि केन्द्रों पर इस ब्राण्ड की दवाओं के बजाय अन्य तथाकथित जेनेरिक दवाओं की भरमार देखी जा सकती है। कई गुना अधिक खुदरा मूल्य (एमआरपी) छपी ये दवाएँ अमूमन "जनरक्षक ब्राण्ड" की दवाओं के मूल्य पर ही बेची जाती हैं। हालाँकि इनका असर उतना नहीं होता। अनेक दवाएँ अधोमानक की भी होने का अन्देशा है। इस बारे में शिकायतों की कोई सुनवाई होने की जानकारी नहीं है।

देखने में आया है कि जनऔषधि केन्द्रों पर जेनेरिक दवाओं के स्थान पर अनेक दवा दुकानदार गैर.जेनेरिक दवाएँ "जेनेरिक" बताकर जरूरतमन्दों को धड़ल्ले से थमा देते, या बेच देते हैं। एहसान सा जताते हुए वे कहते हैं "दाम वही (जनरक्षक वाला) लगेगा।" ऐसी दवाओं की गुणवत्ता घटिया हो सकती है। सूत्रों के अनुसार "यह सरकार की जनहितकारी योजना को नाकाम करने का प्रयास हो सकता है।" इस ओर तुरन्त ध्यान देना जरूरी है। कारण यह कि आमतौर पर कई दुकानदार रसीद नहीं देते, और ग्राहक भी सही बिल माँगते नहीं।

उल्लेख्य है कि 'प्रधानमंत्री जनऔषधि नाम 2008 में शुरू की गयी थी। इसका मकसद दवाओं के महँगे ब्राण्डेड विकल्पों की तुलना में सस्ती दरों पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएँ उपलब्ध कराना है, जो बाजार मूल्य से 50 से लेकर 90 फीसद तक सस्ती होती हैं। 2014 में केन्द्र में सत्ता परिवर्तन के पश्चात 2015 में इस योजना का पुनर्गठन किया गया। इसे "प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना" नाम दिया गया। इस योजना के तहत पूरे भारत में विशेष केन्द्र खोले गये हैं। इन्हें जनऔषधि केन्द्र के नाम से जाना जाता है।

बाइक से देवी दर्शन को जा रहे पति, पत्नी–बेटे की हादसे में मौत

संवाददाता–कुशीनगर। मंदिर दर्शन करने जा रहे तीन लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। बेकाबू टैंकर ने बाइक पर सवार श्रद्धालुओं को टक्कर मार दी। हादसे में बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। लोगों ने बताया कि गलत दिशा से आ रहे एक टैंकर और मोटरसाइकिल के बीच सीधी टक्कर हो गई। दुर्घटना के तुरंत बाद मोटरसाइकिल चालक और उसके 9 वर्षीय बेटे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल महिला और 11 वर्षीय किशोरी को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। घायल किशोरी को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल टैंकर को जब्त कर लिया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामला नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है।

गोरखपुर के पिपराइच निवासी रामलखन मद्धेशिया (38) अपनी मोटरसाइकिल से परिवार के साथ बिहार के मदनपुर माता मंदिर जा रहे थे। उनके साथ बाइक पर पत्नी शशिकला (35) और बेटी लाडो (11) और रौनक मद्धेशिया(09) सवार थे। रामलखन मद्धेशिया पिपराइच में अपने भाई गणेश मद्धेशिया के साथ मिठाई की दुकान चलाते थे। दोनों भाई अलग–अलग रहते थे। रामलखन के पिता का निधन पहले ही हो चुका था, जबकि उनकी वृद्ध मां जीवित हैं। परिवार में एक साथ तीन मौतों की खबर से उनकी मां सदमे में हैं। बाइक कप्तानगंज की ओर से आ रही थी। खोटही निर्मया के लालवीर फिलिंग स्टेशन के पास पहुंचते ही नेबुआ की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार टैंकर ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक के परखच्चे उड़ गए और रामलखन मद्धेशिया और उनके बेटे रौनक मद्धेशिया ने मौके पर ही तड़प–तड़प कर दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मोड पर पहले भी कई बड़े हादसे हो चुके हैं। ये एरिया ब्लैक स्पॉट के रूप में जाना जाता है।

रामलखन की पत्नी शशिकला (35 वर्ष) और उनकी बेटी लाडो सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गईं। राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज भिजवाया गया। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने शशिकला को मृत घोषित कर दिया। बेटी लाडो की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर रेफर कर दिया है।

परिजनों ने बताया कि रामलखन धार्मिक व्यक्ति थे और अक्सर मंगलवार को परिवार के साथ देवी मंदिरों में दर्शन के लिए जाते थे। मंगलवार को भी पूरा परिवार बिहार में मदनपुर देवी स्थान के लिए निकला था। घटना की सूचना मिलते ही खोटही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त टैंकर को अपने कब्जे में ले लिया है। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए रविंद्रनगर धूस स्थित मर्चरी हाउस भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। घटना के तुरंत बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही खोटही चौकी पुलिस बल के साथ तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

पुलिस ने टैंकर को अपने कब्जे में ले लिया है। इसके साथ ही तीनों मृतकों के शवों को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस, रविंद्र नगर धूस भेज दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है और फिलहाल क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी हुई है। इस हादसे के बाद से पीड़ित परिवार के गांव पिपराइच में मातम पसरा हुआ है।

दो पक्षों में मारपीट, 11 घायल

संवाददाता–बहराइच। जिले के विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र स्थित लखनगोंडा गांव में सोमवार देर शाम मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। इस घटना में दोनों पक्षों के कुल 11 लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। गांव निवासी रामहेत तिवारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वे अपने घर के बाहर बैठे थे, तभी विपक्षी पक्ष के लोग गाली–गलौज करते हुए वहां आ गए। आरोप है कि जान बचाने के लिए घर के अंदर जाने के बावजूद हमलावरों ने घर में घुसकर लाठी–डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे उनके परिवार के कई सदस्य घायल हो गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विशेश्वरगंज के अधीक्षक डॉ. कुणाल मिश्रा ने बताया कि एक पक्ष से अनूप तिवारी (18), दुर्गेश तिवारी (21), रवि तिवारी (26) और रामहेत तिवारी (52) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनमें से तीन लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहीं, दूसरे पक्ष से मुन्नी, शबनम, मुसे अली, असगर, कल्लू, गुड्डी और सकीना को भी चोटें आई हैं। इन सभी घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। थानाध्यक्ष संदीप कुमार दुबे ने जानकारी दी कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस दोनों पक्षों से जानकारी जुटा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आधे घंटे तक किशोर ने खूंखार तेंदुए का किया सामना, संघर्ष में तेंदुए की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। सिरसिया क्षेत्र में मंगलवार की सुबह बेचईपुरवा से विभूतिनाथ शिव मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग के किनारे स्थित बगीचे के पास तेंदुए ने किशोर पर हमला बोल दिया। जान बचाने के लिए आधे घंटे तक किशोर ने तेंदुए से संघर्ष किया और शोर मचाता रहा। शोर सुनकर ग्रामीण एकत्र होने लगे। ग्रामीणों से घिरता देख तेंदुआ किशोर को छोड़कर खेत में कुछ दूर जाकर गिर गया और उसकी मौत हो गई। घायल किशोर को इलाज के लिए संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा से मेडिकल कालेज बहराइच के लिए रेफर कर दिया गया है। पुलिस व वन टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। सिरसिया क्षेत्र के कुथनी के सांईपुरवा निवासी 16 वर्षीय किशोर गुलाम फेरी लगाकर बुढ़िया के बाल (काटन कैंडी) बेचते हैं। सुबह लगभग 11 बजे वे काटन कैंडी बेचकर बाबा विभूतिनाथ शिव मंदिर के मुख्यद्वार से लौट रहे थे। रास्ते में सड़क किनारे स्थित बगीचे के पास छिपे बैठे तेंदुए ने उन पर हमला बोल दिया।

शोर मचाते हुए जान बचाने के लिए किशोर तेंदुए से भिड़ गया। लगभग आधे घंटे तक दोनों में संघर्ष चला। तब तक ग्रामीण एकत्र हो गए। ग्रामीणों को देख तेंदुआ किशोर को छोड़ कर कुछ दूर खेत में चलकर गिर गया। हमले में किशोर के दायीं आंख से मांस बाहर निकल आया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए उसे सिरसिया सीएचसी से संयुक्त जिला चिकित्सालय भेजा गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने मेडिकल कालेज बहराइच के लिए रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष सौरभ सिंह व पूर्वी सोहेलवा रेंजर अनिमेष वर्मा टीम के साथ पहुंचे। लगभग ढाई घंटे बाद खेत में पड़े तेंदुए के पास टीम पहुंची तो देखा उसकी मौत हो चुकी थी। सीओ भिनगा भरत पासवान ने पुलिस व वन टीम के साथ जायजा लिया। तेंदुए के शव को पोस्टमार्टम के लिए पूर्वी सोहेलवा रेंज कार्यालय ले जाया गया है। रेंजर ने बताया कि रेस्क्यू के दौरान तेंदुआ मृत पाया गया। इसकी उम्र लगभग तीन वर्ष है। अग्रिम कार्रवाई के लिए विभागीय अधिकारियों को जानकारी दी गई है। तेंदुए के मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा।

200 की स्पीड में पलटी कार ने छीनी बाइक सवार की जिंदगी

संवाददाता–कुशीनगर। जिला मुख्यालय के पडरौना शहर में मंगलवार की सुबह एनएच–730 पर कारों की स्टंटबाजी एक युवक की मौत का कारण बन गई। बावली चौक से आगे रामकोला रोड पर तेज रफ्तार में स्टंट कर रही दो कारों में से एक अनियंत्रित होकर पलट कर दूसरी लेन पर पहुंच गई और उसकी चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार की सुबह करीब छह बजे बावली चौक से आगे एनएच–730 पर दो कारें तेज रफ्तार में एक–दूसरे के साथ स्टंट कर रही थीं। दोनों वाहनों की गति करीब 200 किलोमीटर प्रति घंटा बताई जा रही है। इनमें आगे चल रही लखनऊ नंबर की सफेद कार को स्पोर्ट्स कार की तरह मॉडिफाई किया गया था। अचानक चालक कार पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे वाहन रामकोला जाने वाली लेन से उछलकर विपरीत दिशा की पडरौना वाली लेन में पलट गया। उसी दौरान सामने से आ रहा एक बाइक सवार युवक कार की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि पडरौना आ रहे बाइक सवार बड़हरागंज, मिश्रौली निवासी वासिफ पुत्र मैनुद्दीन (25 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुटने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि लोगों के पहुंचने से पहले ही स्टंट कर रही दूसरी कार का चालक वापस घटनास्थल पर पहुंचा और पलटी कार में फंसे युवक को बाहर निकालकर अपने वाहन में बैठाया तथा वहां से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर डायल–112 पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बावली चौक से आगे एनएच–730 पर आए दिन युवक बाइक और चार पहिया वाहनों से तेज रफ्तार में स्टंट करते नजर आते हैं। सुबह और देर रात के समय यह गतिविधियां अधिक देखने को मिलती हैं। लोगों का आरोप है कि बावली चौक के आसपास पुलिस की मौजूदगी के बावजूद स्टंटबाजी पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पाया है, जिसके चलते इस तरह की घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। हादसे के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय यही रहा कि सार्वजनिक सड़क पर की गई लापरवाही और स्टंटबाजी ने एक निर्दोष युवक की जान ले ली। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार वाहन व उसके चालक की तलाश की जा रही है।

परिषदीय विद्यालयों में नए सत्र की शुरुआत, बच्चों का उत्साह से स्वागत

संवाददाता–देवरिया। जिले के परिषदीय विद्यालयों में मंगलवार को गर्मी की लंबी छुट्टियों के बाद नए शैक्षिक सत्र की शुरुआत हुई। जनपद के 2121 विद्यालयों में छात्र–छात्राओं का उत्साह और पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। विद्यालयों को फूलों, रंग–बिरंगे गुब्बारों और आकर्षक सजावट से सजाया गया था, जिससे पहले ही दिन बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। लार क्षेत्र के बीआरसी स्थित कंपोजिट विद्यालय में खंड शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह की उपस्थिति में बच्चों का स्वागत किया गया। प्रधानाध्यापक और शिक्षकों ने विद्यालय के मुख्य द्वार पर खड़े होकर छात्र–छात्राओं का अभिनंदन किया। कंपोजिट विद्यालय करमुआ, राउतपार अमेठिया, रामनगर सहित अन्य विद्यालयों में भी शिक्षकों ने बच्चों के माथे पर रोली–चंदन का तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया।सामान्यतः ग्रीष्मावकाश के बाद विद्यालयों में उपस्थिति कम रहती है, लेकिन इस बार विद्यालय प्रशासन की विशेष तैयारी और अभिभावकों को पूर्व सूचना दिए जाने के कारण पहले दिन ही अच्छी संख्या में बच्चे विद्यालय पहुंचे। विद्यालयों की आकर्षक सजावट ने बच्चों को विशेष रूप से आकर्षित किया।स्वागत कार्यक्रम के बाद विद्यालयों में विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने बच्चों से छुट्टियों के अनुभव साझा कराए और नए सत्र की पढ़ाई, गतिविधियों तथा अनुशासन संबंधी जानकारी दी। बीईओ अमित कुमार सिंह ने बच्चों को नियमित विद्यालय आने, अनुशासन का पालन करने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का स्वागत बच्चों में विद्यालय के प्रति अपनापन बढ़ाता है और उनका मनोबल मजबूत करता है।

इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. गोविंद मिश्रा, वीरभद्र पाठक, नगमा खातून, कुलदीप सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. गोविंद मिश्रा ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए विद्यालयों के समय में कटौती की मांग की है। उनका कहना है कि तेज धूप और उच्च तापमान का असर छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

सीमा पर चंदन तस्करी का भंडाफोड़, एसएसबी व वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में तीन गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के चौधरीडीह गांव में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और वन विभाग की संयुक्त टीम ने चंदन की लकड़ी की तस्करी का खुलासा किया है। इस कार्रवाई में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। टीम ने तस्करी में इस्तेमाल की गई एक कार, एक मोटरसाइकिल और चंदन की आठ बोटा लकड़ी जब्त की है। बरामद लकड़ी की कीमत और उसकी उत्पत्ति की जांच की जा रही है।

वन क्षेत्राधिकारी वनकटवा शत्रोहन लाल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में कानपुर जिले के नेवादा तारपत गांव निवासी सुशील पांडेय, नदीह खुर्द निवासी सत्येंद्र सिंह और कन्नौज जिले के मुबारकपुर टीला निवासी महेश शामिल हैं। तीनों के खिलाफ मगलवार को भारतीय वन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एसएसबी को सूचना मिली थी कि चौधरीडीह गांव के रास्ते बिना वैध परमिट के चंदन की लकड़ी की तस्करी की जा रही है। बताया गया था कि इस कार्य के लिए एक लाल रंग की कार का उपयोग किया जाएगा। सूचना मिलते ही एसएसबी की क्यूआरटी टीम और वन विभाग ने संयुक्त रूप से इलाके में नाकाबंदी कर निगरानी शुरू कर दी।

सिरसिया की ओर से एक लाल रंग की कार आती दिखाई दी, जिसके आगे मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति मार्गदर्शन कर रहे थे। टीम ने वाहनों को रोकने का प्रयास किया तो आरोपित वाहन छोड़कर भागने लगे। हालांकि, घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया।

तलाशी के दौरान कार से चंदन की आठ बोटा लकड़ी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित लकड़ी की कटाई और परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लकड़ी और वाहनों को जब्त कर वनकटवा रेंज कार्यालय लाया गया।

वन विभाग के अनुसार, बरामद लकड़ी जंगली चंदन की है या ग्रामीण क्षेत्र से काटी गई है, इसकी जांच की जा रही है। साथ ही, तस्करी नेटवर्क से जुड़े स्थानीय संपर्कों की भी तलाश की जा रही है। लकड़ी की माप और बाजार मूल्य के आकलन की प्रक्रिया जारी है।

रिजर्व पुलिस लाइन में रिक्रूट आरक्षियों को कराया योगाभ्यास

संवाददाता–कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देश पर मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन में रिक्रूट आरक्षियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रशिक्षकों द्वारा रिक्रूट आरक्षियों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया तथा योग के नियमित अभ्यास से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। योग शिविर के दौरान रिक्रूट आरक्षियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, तनाव प्रबंधन, कार्यक्षमता में वृद्धि तथा मानसिक एकाग्रता बनाए रखने के लिए नियमित योगाभ्यास करने हेतु प्रेरित किया गया। योग न केवल शरीर को स्वस्थ एवं ऊर्जावान बनाए रखता है, बल्कि मानसिक संतुलन एवं आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है, जो पुलिस सेवा जैसे चुनौतीपूर्ण कार्यक्षेत्र में अत्यंत आवश्यक है।

पुलिस चौकी पर युवक को डंडे से पीटने का वीडियो वायरल

संवाददाता–गोंडा। जिले के कौड़िया थाना क्षेत्र के दुबहा चौकी पर तैनात पुलिस कर्मियों की दबंगई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में चौकी इंचार्ज की मौजूदगी में एक पुलिसकर्मी द्वारा युवक की डंडे से बेरहमी से पिटाई की जा रही है।

हालांकि किसी वायरल वीडियो की भारतीय बस्ती पुष्टि नहीं करता। स्थानीय लोगों की माने तो मामला बीते माह का बताया जा रहा है। थाना क्षेत्र के चौनापुर गांव निवासी संजय कुमार ने रमेश, रामेश्वर, अरविंद और पराग समेत कई लोगों के खिलाफ मारपीट करने को लेकर शिकायत किया था। इस पर दुबहा चौकी पर तैनात सिपाही नीरज सिंह आरोपियों को पकड़कर चौकी ले लाए। पीड़ितों के मुताबिक जब उन्होंने चौकी पर अपनी समस्या बताई तो पुलिस कर्मी नाराज हो गए और उन लोगों की पिटाई शुरु कर दी।

वायरल वीडियो में दिख रहा है कि महज कुछ सेकंड में युवकों पर कई लाठियां बरसाई गईं चौकी पर बैठे अन्य पुलिसकर्मी और मारने के लिए उकसा रहे थे और चुपके से वीडियो भी बना रहे थे। मामला आशनाई से जुड़ा होने के नाते युवकों को इस तरह लाठी से पीटा गया और अगले दिन चारों युवकों को शांति भंग करने के आरोप में चालान कर दिया। अब सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है।

आरोपी सिपाही कई सालों से दुबहा पुलिस चौकी पर तैनात है। सिपाही पर स्थानीय छुटभैया और सत्ताधारी नेता का वरदहस्त प्राप्त है जिससे कई बार दूसरे हल्के में ट्रांसफर होने के बावजूद पुनः दुबहा चौकी पर तैनात कर दिया जाता है। चौकी के सिपाही बता रहे है कि आरोपी सिपाही का जीआरपी में ट्रांसफर भी हो चुका है लेकिन अभी दवाब के चलते तैनाती कार्य क्षेत्र में नहीं गया है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक आगमन आज

संवाददाता–देवरिया। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक बुधवार को देवरिया दौरे पर रहेंगे। उनके आगमन को लेकर प्रशासन और भाजपा संगठन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस दौरे के दौरान वह अस्पताल उद्घाटन, पौधरोपण, स्वच्छता अभियान और विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, उप मुख्यमंत्री सुबह 10:05 बजे हेलीकॉप्टर से देसही देवरिया पहुंचेंगे। यहां वह नवनिर्मित अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद सुबह 10:35 बजे वह हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन देवरिया के लिए रवाना होंगे और 10:50 बजे वहां पहुंचेंगे। पुलिस लाइन से ब्रजेश पाठक सड़क मार्ग से महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज जाएंगे। मेडिकल कॉलेज में वह भाजपा द्वारा केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लेंगे। साथ ही, मेडिकल कॉलेज परिसर में योग कक्ष का भी शुभारंभ करेंगे।इसके उपरांत, उप मुख्यमंत्री मनोकामना हनुमान मंदिर सीसी रोड पहुंचकर स्वच्छता अभियान में सहभागिता करेंगे। वहां से वह राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। जहां एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे और प्रबुद्धजनों से संवाद करेंगे।दोपहर में उनका अगला कार्यक्रम देवरिया क्लब में प्रस्तावित है। यहां वह भाजपा द्वारा आयोजित षविकसित भारत संकल्प सम्मेलनष में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेंगे और कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे।

इकौना में श्रद्धालुओं ने हनुमान जी की पूजा कर प्रसाद ग्रहण किया

संवाददाता–श्रावस्ती। ज्येष्ठ माह के सातवें बड़े मंगलवार के अवसर पर नगर पंचायत इकौना में कई स्थानों पर भंडारे और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंदिरों, प्रमुख चौराहों और बाजारों में सुंदरकांड पाठ, हवन–पूजन एवं आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। नगर के गौतम नगर मोहल्ले में भाजपा मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश तिवारी के आवास पर सुंदरकांड पाठ, हवन और आरती का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में श्रावस्ती विधायक राम फेरन पांडे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने हनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा–अर्चना की और श्रद्धालुओं को हलवा, खीर, चावल तथा सब्जी का प्रसाद वितरित किया। मंडल अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सतीश जायसवाल, विधायक पुत्र आशुतोष पांडे, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष शंकर दयाल पांडे, नरेंद्र जायसवाल, जितेंद्र कंथरा, विन्नू तिवारी और संध्या मुखर्जी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इसके अतिरिक्त, शैलपुत्री शिव मंदिर परिसर में भी विधायक राम फेरन पांडे ने हनुमान जी की पूजा–अर्चना की और प्रसाद वितरित किया। यहां सत्य प्रकाश गुप्ता सहित कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

बाईपास स्थित विभिन्न स्थानों पर भी बड़े मंगलवार के अवसर पर भंडारे आयोजित किए गए। मुकेश कुमार सोनी ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया, जबकि हाईवे स्थित एक आयोजन में शंकर जायसवाल ने पूजा–अर्चना के बाद हलवा, पूरी और सब्जी का प्रसाद बंटवाया। पूरे दिन नगर में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई और धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी रहा।

कमिश्नर ने मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित करने के निर्देश

संवाददाता–गोंडा। देवीपाटन मंडल की मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में आज मंगलवार को महाराजा सुहेलदेव सभागार में मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त ने मंडल के चारों जिलों में लगातार ब्लैक स्पॉट पर हो रही घटनाओं को लेकर के लापरवाह अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई है। तत्काल सुधार लाने के निर्देश दिए हैं सुधार न होने पर कार्रवाई की कठोर चेतावनी भी दी है। आयुक्त ने देवीपाटन मंडल के सभी जनपदों में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए ब्लैक स्पॉट्स की पहचान करने और उन पर सुधारात्मक कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने नए ब्लैक स्पॉट्स को भी चिन्हित करने और दुर्घटनाओं के कारणों का पता लगाने पर जोर दिया। प्रमुख मार्गों पर सड़क सुरक्षा चिन्हों जैसे बोर्ड, संकेतक, स्पीड ब्रेकर, रिफ्लेक्टिंग कलर और रंबलिंग स्ट्रिप बनाने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, मार्गों के मोड़ों, डिवाइडर और सड़क किनारे पेड़ों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाने को कहा गया ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। मंडलायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटना की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिससे श्गोल्डन आवरश (दुर्घटना के बाद पहला एक घंटा) में घायलों को उचित इलाज मिल सके। राहगीरों को, जो घायलों की मदद करते हैं, नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। बैठक में स्कूली वाहनों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। आयुक्त ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में संचालित वाहनों के चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस,चरित्र और पते का सत्यापन कराया जाए। साथ ही विद्यालय से संबद्ध वाहनों के पंजीकरण पुस्तिका,फिटनेस प्रमाण पत्र,बीमा और परमिट जैसे दस्तावेजों की भी जांच की जाए।

बच्चों के स्कूल आने और छुट्टी के समय लगने वाले जाम की समस्या को देखते हुए विद्यालय के समय में परिवर्तन करने का सुझाव दिया गया।विद्यालय परिसर के बाहर दोनों तरफ रोड ब्रेकर बनाने और स्कूल खुलने व छूटने के समय कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त,विद्यालय प्रबंधकों और प्राचार्यों को ड्राइवर का पहचान पत्र,मोबाइल नंबर,नेम प्लेट और निर्धारित वर्दी अनिवार्य करने तथा स्कूली वाहनों से संबंधित फीस का निर्धारण करने को कहा गया।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राम कैलाश सोनी पुत्र स्व0 फूलचन्द्र सोनी निवासी मकान नं0 271 ग्राम व पोस्ट मजनावा थाना रौनाही तहसील सोहावल जिला– अयोध्या का निवासी हैं। मेरे तीन संताने है जिसमें दो पुत्रियां और एक पुत्र शिवनाथ सोनी है। शिवनाथ जो कि एक आवारा किस्म का व्यक्ति है जो पिछले 6–7 वर्षो से मुम्बई में रहकर सिलाई का काम करता है और वही पर गैर विरादरी में बिना परिवार के सहमति के खूशबू सरोज नाम की लड़की से शादी कर लिया है जिससे परिवार के लोग काफी दुखी है।

शिवनाथ व खुशबू आये दिन परिवार वालो से मारपीट, झगड़ा, गाली–गुप्ता करते रहते है और घर में आकर रहना चाहता है जिससे परिवार के लोग परेशान और भयभीत डरे सहमें है इसलिए मजबूर हो कर शिवनाथ व उसकी पत्नी खुशबू को दिनांक– 08.06.2026 से अपने समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और मरणोपरान्त भी कोई वास्ता सरोकार नहीं रहेगा। अपने किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

प्रार्थी
राम कैलाश सोनी

सान्वी ज्वेलर्स की 2 महिला सेल्सकर्मी निकलीं चोर असली की जगह रखती थीं नकली सोना–गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। क्रॉस रोड मॉल स्थित सान्वी ज्वेलर्स में करीब 45 लाख रुपये के सोने और हीरे के आभूषणों की चोरी के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। मामले में लंबे समय से कार्यरत दो महिला सेल्सकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। कैंट पुलिस ने उनके पास से 9.50 लाख रुपये नकद और करीब 15.50 लाख रुपये मूल्य के चोरी किए गए आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हसनगंज, लालडिग्गी निवासी मुस्कान गुप्ता और कुशीनगर के कसया थाना क्षेत्र के शक्तिनगर निवासी नगमा खातून के रूप में हुई है। दोनों पिछले कई वर्षों से सान्वी ज्वेलर्स में सेल्समैन के पद पर कार्यरत थीं। जांच में सामने आया कि दोनों महिलाओं ने शोरूम की सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी रेंज को अच्छी तरह समझ लिया था। इसी का फायदा उठाकर वे स्ट्रांग रूम में रखे असली सोने और हीरे के आभूषणों को निकालकर उनकी जगह मिलते–जुलते नकली गहने रख देती थीं, जिससे लंबे समय तक किसी को शक नहीं हुआ। पुलिस के मुताबिक, चोरी किए गए गहनों में चूड़ियां, अंगूठियां, झुमके और टॉप्स शामिल हैं। कई मामलों में लटकनों की संख्या कम कर दी जाती थी ताकि पहली नजर में अंतर न दिखे। पूछताछ में यह भी पता चला कि चोरी के गहनों को नेपाल में बेच दिया जाता था और उससे मिले रुपयों से दोनों आरोपी महंगे आभूषण और अपनी पसंद की वस्तुएं खरीदती थीं। मामला तब उजागर हुआ जब मार्च 2026 में शोरूम मालिक राजेश कुमार बलानी ने वार्षिक स्टॉक ऑडिट कराया। जांच के दौरान कई आभूषण संदिग्ध पाए गए। कैरेटोमीटर जांच में कुछ गहनों की शुद्धता शून्य मिली, जबकि कुछ का वजन कम पाया गया। इसके बाद विस्तृत जांच में असली और नकली गहनों का खेल सामने आया। शिकायत के आधार पर कैंट पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर महिला कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि पकड़ी गई महिला कर्मचारियों को दोपहर बाद कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बड़े मंगलवार पर किया गया प्रसाद वितरण

संवाददाता–संतकबीरनगर। ज्येष्ठ मास के बड़े मंगलवार के अवसर पर खलीलाबाद शहर के गोला बाजार में पूर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल ने प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल के अध्यक्ष सर्वदानंद पांडेय ने भगवान हनुमान जी की विधिवत पूजा–अर्चना कर किया। इसके बाद उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष सर्वदानंद पांडेय ने कहा कि बड़े मंगलवार का पर्व आस्था, सेवा और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में भाईचारा, सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

पांडेय ने यह भी बताया कि पूर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल हमेशा सामाजिक और धार्मिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाता रहा है और भविष्य में भी जनहित के कार्यों में अपनी भूमिका जारी रखेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और व्यापारियों ने मौजूद रहकर तन मन से सहयोग प्रदान किया।

एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुआ सामूहिक योगाभ्यास

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे योग सप्ताह के तहत मंगलवार को एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्टेडियम के अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कर्मचारियों एवं विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों ने इसमें प्रतिभाग किया। योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षकों ने योग के नियमित अभ्यास से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। योग प्रशिक्षकों ने बताया कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक तनाव को कम करने और एकाग्रता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम में जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मंजूर आलम ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरी दुनिया अपना रही है। उन्होंने खिलाड़ियों से नियमित योगाभ्यास को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्टेडियम के सभी प्रशिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः मामले में कांग्रेस की एंट्री, ट्रस्ट पदाधिकारियों के इस्तीफे व जवाबदेही तय करने की मांग

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर की दान पेटिकाओं में कथित अनियमितता का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। आरोप–प्रत्यारोप के बीच अब इस विवाद में कांग्रेस भी खुलकर सामने आ गई है। उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष शरद शुक्ला ने राम जन्मभूमि थाने में लिखित तहरीर देकर मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर भी सवाल उठाए हैं। शरद शुक्ला ने कहा कि वह मामले की जांच कर रही एसआईटी का स्वागत करते हैं, क्योंकि यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है। हालांकि, उन्होंने वर्ष 2022 में सामने आए कथित चढ़ावा चोरी प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भी एसआईटी गठित की गई थी। प्रधानमंत्री से मांग की कि जांच पूरी होने तक ट्रस्ट में बैठे लोगों की शक्तियां तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाएं।

उन्होंने कहा कि जब किसी संस्था के पदाधिकारी अपने पद पर बने रहते हैं तो निष्पक्ष जांच प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में जांच पूरी होने तक संबंधित लोगों को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ देना चाहिए। बार–बार एक ही प्रकार के आरोप सामने आना गंभीर चिंता का विषय है।

युवा कांग्रेस नेता ने दावा किया कि राम मंदिर से जुड़े इस विवाद की चर्चा देश के विभिन्न राज्यों में हो रही है। इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं। प्रभारी निरीक्षक को दी गई तहरीर में मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। उधर, राम मंदिर की दान पेटिकाओं में कथित अनियमितता के मामले की जांच एसआईटी द्वारा लगातार की जा रही है। जांच टीम राम जन्मभूमि परिसर में संबंधित दस्तावेजों और कर्मचारियों से पूछताछ कर तथ्यों को जुटाने में लगी हुई है।

पथरा बाजार में ज्येष्ठ माह के सातवें बड़े मंगल पर विशाल भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

–भारतीय बस्ती संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले के पथरा बाजार में ज्येष्ठ माह के सातवें बड़े मंगल के पावन अवसर पर मंगलवार को भव्य विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था और श्रद्धा से जुड़े इस आयोजन में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान श्री हनुमान जी का स्मरण किया और प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 2 बजे से शुरू हुआ, जहां भक्तिमय माहौल के बीच श्रद्धालुओं का लगातार आगमन होता रहा। पूरे परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और जय श्री राम तथा बजरंगबली के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर भाजपा नेता सच्चिदानंद पांडेय, भाजपा नेता अजय पाण्डेय तथा भाजपा नेता राजू पाल ने कार्यक्रम में पहुंचकर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया। उन्होंने श्रद्धालुओं का अभिवादन करते हुए बड़े मंगल की शुभकामनाएं दीं और समाज में आपसी भाईचारे, सेवा और धार्मिक परंपराओं को बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम के आयोजक सुनील पाठक (प्रधान संघ अध्यक्ष, डुमरियागंज एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी) ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि बड़े मंगल का यह आयोजन लोगों को एकजुट करने और सेवा भाव को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। भंडारे में महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों की अच्छी–खासी भागीदारी देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान हनुमान से सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुर्गी फार्म फायरिंग मामले में 8 गिरफ्तार अवैध पिस्टल, तीन वाहन बरामद

संवाददाता–संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद की पुलिस ने मुर्गी फार्म पर जानलेवा फायरिंग के मामले का खुलासा करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से घटना में इस्तेमाल की गई एक अवैध 9 एमएम पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा और तीन चारपहिया वाहन बरामद किए हैं।

क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दुबे के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कृष्णचन्द पाण्डेय उर्फ केसी, दीपक पाण्डेय, हनीपाल उर्फ गौरवपाल, दुर्गेश यादव, दुष्यन्त राय, तुषार गुप्ता, झिन्नू कन्नौजिया और देवेन्द्र प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया। इन सभी को उतरावल गांव स्थित बीर बहादुर राय के मुर्गी फार्म से पकड़ा गया। पुलिस ने मौके से स्कॉर्पियो, वैन्यू और क्रेटा वाहन भी बरामद किए।

बीर बहादुर राय ने 16 जून को कोतवाली खलीलाबाद में तहरीर दी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि

15 जून की रात करीब 8:30 बजे कृष्णचन्द पाण्डेय अपने साथियों के साथ तीन वाहनों से उनके मुर्गी फार्म पर पहुंचा। वहां गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी कृष्णचन्द पाण्डेय ने बताया कि लगभग चार माह पहले उसने बीर बहादुर राय से नौ लाख रुपये में एक क्रेटा कार खरीदी थी। यह कार किसी अन्य मामले में सीज हो गई थी। वाहन को छुड़ाने में सहयोग न मिलने के कारण दोनों के बीच विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते वह अपने साथियों के साथ मुर्गी फार्म पहुंचा और फायरिंग की घटना को अंजाम दिया।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर अवैध पिस्टल, कारतूस और खोखा बरामद किया। बरामदगी और साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में आयुध अधिनियम की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार, इन्द्रभूषण सिंह, अनिल कुमार यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया है।

निजी कंपनियों को रजिस्ट्री कार्य सौंपने के विरोध में अधिवक्ताओं, स्टांप वेंडरों और दस्तावेज लेखकों का धरना

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। ई–पंजीकरण और रजिस्ट्री से जुड़े कार्यों को निजी कंपनियों को सौंपने के प्रस्ताव के विरोध में मंगलवार को दस्तावेज लेखक, स्टांप वेंडर और अधिवक्ता एकजुट होकर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के इस निर्णय को आम जनता, अधिवक्ताओं और रजिस्ट्री कार्य से जुड़े लोगों के हितों के खिलाफ बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। धरने के दौरान वक्ताओं ने कहा कि यदि ई–पंजीकरण और रजिस्ट्री का कार्य निजी कंपनियों को सौंप दिया गया तो हजारों दस्तावेज लेखक, स्टांप वेंडर और अधिवक्ताओं की आजीविका प्रभावित होगी। साथ ही आम लोगों को भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ और कई प्रकार की व्यावहारिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि निजीकरण से पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी सवाल खड़े होंगे। उनका कहना था कि वर्षों से यह कार्य अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों

और स्टांप वेंडरों के माध्यम से संचालित होता रहा है, ऐसे में निजी कंपनियों को जिम्मेदारी सौंपना उचित नहीं है।

धरने में शामिल लोगों ने सरकार से मांग की कि ई–पंजीकरण व्यवस्था में सुधार किया जाए, लेकिन रजिस्ट्री संबंधी कार्यों का निजीकरण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। चेतावनी दी गई कि यदि सरकार ने निर्णय वापस नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। विनोद तिवारी, अभय श्रीवास्तव, आर्दश श्रीवास्तव, गुड्डू श्रीवास्तव, घिराऊलाल, विजयसेन, चिंतामणि, ओमप्रकाश चौबे, राम सिंह, गिरजाशंकर गुप्ता, मायाराम यादव, प्रदीप शुक्ला, पंकज, रुस्तम, शुभम् तिवारी, आशुतोष विश्कर्मा, विवेक सिंह, शशिकांत तिवारी, अभयभूषण दूबे धरने मे मौजूद रहे धरने में विनोद तिवारी, अभय श्रीवास्तव, आर्दश श्रीवास्तव, गुड्डू श्रीवास्तव, घिराऊलाल, विजयसेन, चिंतामणि, ओमप्रकाश चौबे, राम सिंह, गिरजाशंकर गुप्ता, मायाराम यादव, प्रदीप शुक्ला, पंकज, रुस्तम, शुभम् तिवारी, आशुतोष विश्कर्मा, विवेक सिंह, शशिकांत तिवारी, अभयभूषण दूबे शामिल थे।

युवक की हादसे में मौत, बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में मंगलवार को एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। यह घटना बेलहर थाना क्षेत्र के दुर्गजोत–रूधौली मार्ग पर जंगल बेलहर स्थित वन विभाग कार्यालय के सामने हुई। मृतक की पहचान सिद्धार्थनगर जनपद के बांसी थाना क्षेत्र निवासी अशरफ अली (34 वर्ष) पुत्र नूर आली के रूप में हुई है।

अशरफ अली अपने रिश्तेदार के घर दुर्गजोत में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहा था। जंगल बेलहर स्थित वन विभाग कार्यालय के सामने पहुंचते ही उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अशरफ गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे की सूचना पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक अशरफ अली की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही दुर्गजोत स्थित शादी वाले घर में रिश्तेदारों और परिजनों के बीच मातम छा गया। बेलहर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

शोहरतगढ़ पुलिस ने फरार आरोपी दुर्गेश निषाद को दबोचा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक नामजद फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दुर्गेश निषाद उर्फ गोलू (25) के रूप में हुई है, जो शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 13 बेनीमाधव नगर (नीबी दोहनी) का निवासी है। उसके खिलाफ थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या का दंड), 115(2) (जानबूझकर चोट पहुंचाना) और 352 (शांति भंग करने के इरादे से अपमान) के तहत मामला (मु.अ.स. 101/26) दर्ज है।

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के निर्देश पर जिले में चलाए जा रहे अपराध और अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी

शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम का गठन किया था। गठित टीम में उप निरीक्षक संतोष कुमार यादव, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार यादव और हेड कांस्टेबल अजय कुमार शामिल थे। टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित आरोपी सेमरा मोड़ के पास मौजूद है। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दुर्गेश निषाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मामला दर्ज होने के बाद से लगातार फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए कई स्थानों पर दबिश दी गई थी।

गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में पुलिस को मामले से जुड़ी कई अहम जानकारियां मिली हैं। विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया है और उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की तैयारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी से घटना में शामिल अन्य व्यक्तियों और मामले के कारणों के बारे में गहनता से पूछताछ की जाएगी। न्यायालय में पेशी के बाद पुलिस उसकी रिमांड की मांग करेगी ताकि मामले की पूरी सच्चाई सामने आ सके।

उमाशंकर त्रिपाठी को बखिरा थाने का प्रभार

संवाददाता–संतकबीरनगर। बखिरा थाने की कमान पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीणा ने उमाशंकर त्रिपाठी को सौंपी है। उमाशंकर त्रिपाठी कड़े मिजाज के अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं और उनके नाम 18 से अधिक मुठभेड़ों का रिकॉर्ड दर्ज है। बखिरा में हाल की घटनाओं के बाद, पुलिस अधीक्षक ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पहले, अरविंद शर्मा केवल 15 दिन ही थाना प्रभारी रहे थे। थाना अध्यक्ष उमाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2015 में बलिया में एक वर्ष की ट्रेनिंग पूरी की। 2018 में वे प्रशिक्षु उपनिरीक्षक के रूप में पैकोलिया थाने में तैनात हुए। कुछ महीनों बाद उन्हें सोनहा थाने में वरिष्ठ उपनिरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने लूट के दो मामलों में मुठभेड़ की। सितंबर 2021 में उनका स्थानांतरण थानाध्यक्ष के रूप में लालगंज में हो गया। वहां उन्होंने हत्या के एक आरोपी को मुठभेड़ में मार गिराया। इसके बाद 2022 में वे एसओ छावनी बने, जहां छावनी कस्बे में हत्या के प्रयास के एक मामले में मांझा क्षेत्र में मुठभेड़ की। बाद में उन्हें स्वाट प्रभारी के रूप में तैनात किया गया, जहां उन्होंने दो और मुठभेड़ों को अंजाम दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने थाना वाल्टरगंज में एक मुठभेड़ की और पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में पशु तस्करों में से दो को मुठभेड़ में घायल किया। उनके सबसे चर्चित मामलों में परशुरामपुर के एक राष्ट्रीयकृत बैंक में कैशियर और बैंक मैनेजर के दिनदहाड़े अपहरण का मामला शामिल है। इस घटना में बैंक कर्मियों के साथ अप्राकृतिक संबंध बनाने की बात सामने आई थी। इस मामले में मुठभेड़ के बाद वे सुर्खियों में आए। एसओ ने बताया कि क्षेत्र में कानून का इकबाल स्थापित होगा।

जेल सिपाहियों को अब नहीं जाना पड़ेगा लखनऊ, 9 एकड़ जमीन पर बनेगा ट्रेनिंग सेंटर

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश के जेल सिपाहियों को अब प्रशिक्षण के लिए लखनऊ नहीं जाना पड़ेगा। गोरखपुर में जेल सिपाहियों का अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए जेल प्रशासन ने करीब 9 एकड़ जमीन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है और प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। गोरखपुर में बनने वाला यह जेल प्रशिक्षण केंद्र प्रदेश का दूसरा प्रशिक्षण केंद्र होगा। वर्तमान में जेल विभाग का एकमात्र प्रशिक्षण केंद्र लखनऊ में संचालित है,जहां पूरे प्रदेश के जेल सिपाहियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। बढ़ती जरूरतों और प्रशिक्षण क्षमता पर बढ़ते दबाव को देखते हुए विभाग ने प्रदेश में दूसरा केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। सूत्रों के अनुसार पूर्वी और आसपास के जिलों के जेल सिपाहियों को गोरखपुर में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जबकि पश्चिमी और मध्य उत्तर प्रदेश के कार्मिकों का प्रशिक्षण लखनऊ केंद्र पर जारी रहेगा। जेल प्रशासन ने ट्रेनिंग सेंटर के लिए गोरखपुर में उपलब्ध अपनी जमीन का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि भूमि उपलब्ध होने के कारण परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

इसे लेकर जेल एके कुशवाहा का कहना है कि गोरखपुर जेल के पास जेल सिपाहियों के लिए ट्रेनिंग सेंटर का प्रस्ताव भेजा गया है। इसके लिए जेल के पास ही नौ एकड़ जमीन दी जा रही है। अभी तक जेल सिपाहियों का प्रशिक्षण लखनऊ में ही होता है। वहीं, गोरखपुर प्रशिक्षण केन्द्र बनने के बाद यूपी का यह दूसरा प्रशिक्षण केन्द्र होगा। उधर, गोरखपुर जिला कारागार को रविवार को छह और बैरकें मिली हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को एक कार्यक्रम में अन्य परियोजनाओं के साथ ही जेल के नई बैरकों का भी लोकार्पण किया। इन छह बैरकों के मिलने से गोरखपुर जेल में बैरकों की संख्या अब 35 हो गई हैं।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी बरकत अली पुत्र स्व0 रहमतुल्लाह ग्राम कलवारी मुस्तहकम पोस्ट व थाना कलवारी तहसील व जिला बस्ती का निवासी हूं। मेरे पांच पुत्र व चार पुत्रियां हैं जिसमें छोटे लड़के को छोड़कर बाकी सभी पुत्र व पुत्रियों का शादी विवाह हो चुका है मेरा बड़ा बेटा रहमत अली शादीशुदा बच्चेदार है और उसके अन्दर तमाम गलत आदते है जिससे वह अपने माता–पिता व सभी भाईयों को परेशान हैरान करता रहता है एवं जान से मारने की धमकी देते हुए गाली गलौज करते हुए हमलावर रहता है। प्रार्थी के हार्ट का मरीज होने के कारण कभी भी अप्रिय घटना हो सकती है जिससे परिवार रहमत अली से काफी क्षुब्ध व परेशान है इसलिए मजबूर हो कर रहमत अली को दिनांक–16.06.2026 से अपने समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करने का निर्णय लिया है। अपने किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

कार्यालय मुख्य पशु चिकित्साधिकारी-बस्ती

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पशु पालकों को नैपियर की जड़े/उच्च गुणवत्तायुक्त चारा बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पशु पालन विभाग, उत्तर प्रदेश, चारा नीति 2024–29 के लाभार्थी (पंजीकृत गौशाला / गोआश्रय स्थल / इच्छुक कृषक/पशुपालक/स्वयं सहायता समूह) का पहले आओ पहले पाओ के आधार पर चयन किया जाना है। वित्तीय वर्ष 2026–27 में उक्त योजना में जनपद बस्ती में 15 लाभार्थियों/गो आश्रय स्थलो का चयन जिनके पास 0.2 हे0 सिंचित भूमि हो, पर नैपियर चारा उत्पादन हेतु किया जाना है। जिसमें प्रति लाभार्थी रु0–4000.00 अनुदान दिया जायेगा। अधिक जानकारी एवं आवेदन करने हेतु सम्बन्धित विकास खण्ड के राजकीय पशु चिकित्सालय पर दि०–23.06.2026 तक सम्पर्क करें।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी बस्ती।

पंत्रांक–338 / नैपियर घास/2026–27/ दिनांक–16/06/2026

कार्यालय–जिला परियोजना प्रबन्धक यूपीएग्रीज(यूपीडास्प) बस्ती

पत्रांकः– 07/भवन/2026–27 दिनांकः– 16.6.2026

प्रेस विज्ञप्ति

यूपीएग्रीज परियोजना यूपीडास्प के माध्यम से संचालन हेतु जनपद बस्ती में कार्यालय स्थापना के लिए लगभग 1500 से 2000 वर्गफीट में बने भवन की आवश्यकता है। भवन मुख्य मार्गयुक्त अथवा अच्छी आवागमन की सड़क पर स्थित हो तथा विद्युत, पानी इत्यादि की व्यवस्था सहित पूर्ण रूप से फिनिश्ड अवस्था में होना आवश्यक है। इच्छुक भवन स्वामी एक सप्ताह के अन्दर जिला परियोजना प्रबन्धक राष्ट्रीय अजीविका मिशन, द्वितीय तल विकास भवन बस्ती अथवा मोबाइल नम्बर 8765192210 पर सम्पर्क करके आवश्यक प्रपत्र उपलब्ध करा सकते हैं।

डा. बिनोद कुमार
जिला परियोजना प्रबन्धक यूपीएग्रीज (यूपीडास्प)
बस्ती

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com